

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ, उ० प्र०

स्नातकोत्तर (एम० ए०) संस्कृत पाठ्यक्रम
(स्नातक शोध सहित / स्नातकोत्तर संस्कृत)

सी. बी. सी. एस. एवं सेमेस्टर प्रणाली

Azamgarh University



स्नातकोत्तर (एम० ए०) संस्कृत पाठ्यक्रम
(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2024–25 से प्रभावी)

एम0 ए0 संस्कृत, पाठ्यक्रम समिति (अध्ययन परिषद्)
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

क्र. सं०	अध्ययन परिषद् के सदस्यों के नाम	पदनाम	स्थिति	विभाग	कालेज / विश्वविद्यालय
1.	प्रो० वन्दना पाण्डेय	प्रोफेसर	संयोजक एवं सदस्य (पी.जी.)	संस्कृत	सर्वोदय पी० जी० कालेज घोसी मऊ
2.	डॉ० मनोज द्विवेदी	असि. प्रोफेसर	सदस्य (यू.जी.)	संस्कृत	श्री शिवा डिग्री कालेज कप्तानगंज, तेरहीं, आजमगढ़
3.	डॉ० रामप्रताप मिश्र	असि. प्रोफेसर	सदस्य (यू.जी.)	संस्कृत	डी० सी० एस० के० पी० जी० कालेज, मऊ
4.	डॉ० अनुराग मिश्र	असि. प्रोफेसर	सदस्य (पी.जी.)	संस्कृत	गाँधी शताब्दी पी० जी० कालेज, कोयलसा, आजमगढ़
5.	डॉ० वन्दना द्विवेदी	एसो. प्रोफेसर	वाह्य विशेषज्ञ	संस्कृत	नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्रनगर, लखनऊ
6.	डॉ० शरदिन्दु तिवारी	एसो. प्रोफेसर	वाह्य विशेषज्ञ	संस्कृत	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या— 667 / पी० ए० / 2022 एवं माननीय कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 01 / 11 / 2022 द्वारा नामित एम० ए० संस्कृत अध्ययन परिषद् के संयोजक सहित बाह्य विषय—विशेषज्ञों एवं सदस्यों द्वारा कारित एवं पारित—

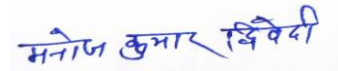
सदस्यों के हस्ताक्षर



प्रो० वन्दना पाण्डेय
प्रचार्य (संयोजक)
सर्वोदय पी० जी० कालेज
घोसी, मऊ



डॉ० रामप्रताप मिश्र
असि० प्रो०, संस्कृत विभाग
डी० सी० एस० खण्डेलवाल
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मऊनाथ भंजन, मऊ



डॉ० मनोज द्विवेदी
असि० प्रो०, संस्कृत विभाग
श्री शिवा डिग्री कॉलेज
तेरहीं, कप्तानगंज, आजमगढ़



डॉ० अनुराग मिश्र
असि० प्रो०, संस्कृत विभाग
गांधी शताब्दी स्मारक स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़



डॉ० वन्दना द्विवेदी
एसो० प्रो०, संस्कृत विभाग
नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ



डॉ० शरदिन्दु तिवारी
एसो० प्रो०
कला संकाय, संस्कृत विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

**महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ हेतु
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप (एम0 ए0-संस्कृत) पाठ्यक्रम
सत्र- 2024-2025 से लागू**

निर्देश:

स्नातकोत्तर संस्कृत विषय के इस पाठ्यक्रम में कुल 4 सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में 4-4 प्रश्नपत्रों की लिखित परीक्षा होगी। चारो सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों की लिखित परीक्षा हेतु 75 अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन हेतु 25 अंक निर्धारित किया गया है, प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु 5 क्रेडिट निर्धारित है।

प्रश्न पत्रों का विभाजन :

प्रत्येक प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित है- (खण्ड- अ, ब एवं स)

खण्ड-अ

इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से अति-लघु-उत्तरीय प्रकार के कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है।

इस प्रकार, इस खण्ड में कुल $10 \times 2 = 20$ अंक निर्धारित है।

प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द-सीमा 50 होगी।

खण्ड-ब

इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से लघु-उत्तरीय प्रकार के कुल 8 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसमें यदि व्याख्या के प्रश्न होंगे तब उस स्थिति में व्याख्या के 3 प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। प्रत्येकप्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है।

इस प्रकार, इस खण्ड में कुल $5 \times 7 = 35$ अंक निर्धारित हैं।

प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द-सीमा 200 होगी।

खण्ड-स

इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से निबन्धात्मक व समीक्षात्मक प्रकार के कुल 4 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से केवल 2 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है।

इस प्रकार, इस खण्ड में कुल $2 \times 10 = 20$ अंक निर्धारित हैं।

प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द-सीमा 500 होगी।

सेमेस्टर-1, 2, 3, 4 के प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु अंक विभाजन सारणी

खण्ड-अ : अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा-50)	10X2 = 20 अंक
खण्ड-ब : लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा-200)	5X7 = 35 अंक
खण्ड-स : निबन्धात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-500)	2X10 = 20 अंक
कुल	लिखित पूर्णांक = 75 अंक आंतरिक मूल्यांकन = 25 अंक पूर्णांक (75+25) = 100 अंक प्रत्येक प्रश्नपत्र = 5 क्रेडिट व माइनर 4 क्रेडिट



महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़
राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु सेमेस्टर-वार प्रश्नपत्र
(विषय-संस्कृत) स्नातकोत्तर (शोध सहित)

(एम0 ए0) प्रथम वर्ष

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्नपत्र / कोर्स	प्रश्नपत्र / कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	कालांश / व्याख्यान	पूर्णांक	क्रेडिट
एम.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम / सप्तम	प्रथम	A020701T	वेद एवं उपनिषद्	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020702T	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020703T	भारतीय दर्शन	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020704T	काव्य एवं काव्यशास्त्र	लिखित	75	100 (25+75)	05
		पंचम	A020705R	वृहद शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध / डिजिटेशन	60	04
एम.ए. प्रथम वर्ष	द्वितीय / अष्टम	प्रथम	A020801T	वेद एवं उपनिषद्	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020802T	व्याकरण	लिखित	75	100 (25+75)	05
		वर्ग (क) तृतीय	A020803T	भारतीय दर्शन	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020804T	काव्यशास्त्र	लिखित	75	100 (25+75)	05
		वर्ग (ख) तृतीय	A020805T	पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020806T	पुराण एवं स्मृति	लिखित	75	100 (25+75)	05
		पंचम	A020807R	वृहद शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध / डिजिटेशन	60	04

- स्नातकोत्तर प्रथम/सप्तम एवं द्वितीय/अष्टम सेमेस्टर में प्रदत्त (वृहद शोध परियोजना- 4+4=8 क्रेडिट) का एक अनिवार्य प्रश्नपत्र है। जिसके लिए कुल 100 अंक निर्धारित हैं। जिसका संयुक्त मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के अन्त में, विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षक के माध्यम से किया जायेगा।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में, अभ्यर्थियों को एक माइनर इलेक्टिव पेपर (मुख्य विषय से अलग) किसी अन्य संकाय से चयन करना होगा, जो 04 क्रेडिट का होगा।
- स्नातकोत्तर द्वितीय/अष्टम सेमेस्टर के तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्नपत्र हेतु, दो वर्गों (वर्ग क एवं ख) का निर्धारण किया गया है, जिसमें से अभ्यर्थी को किसी एक वर्ग के ही दोनों प्रश्नपत्रों का चयन करना होगा।

- इस प्रकार प्रथम वर्ष का क्रेडिट विवरण— (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) के चारो मुख्य पेपर 40 क्रेडिट + 4 (माइनर इलेक्टिव पेपर का) + 8 (वृहद शोध परियोजना का) = 52 क्रेडिट उपलब्ध होंगे।

एम0 ए0 द्वितीय वर्ष

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्नपत्र / कोर्स	प्रश्नपत्र / कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	कालांश / व्याख्यान	पूर्णांक	क्रेडिट
एम.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय / नवम	प्रथम	A020901T	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020902T	आधुनिक संस्कृत साहित्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		वर्ग (क) तृतीय	A020903T	गद्य काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020904T	रूपक एवं चम्पू काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		वर्ग (ख) तृतीय	A020905T	धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020906T	लिपि एवं अभिलेख	लिखित	75	100 (25+75)	05
		पंचम	A020907R	वृहद शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध / डिजिटेशन	60	04

नोट— स्नातकोत्तर तृतीय/नवम सेमेस्टर के तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्नपत्र हेतु, दो वर्गों (वर्ग क एवं ख) का निर्धारण किया गया है, जिसमें से अभ्यर्थी को किसी एक वर्ग के ही दोनों प्रश्नपत्रों का चयन करना होगा।

नोट— स्नातकोत्तर चतुर्थ/दशम सेमेस्टर में कुल चार वर्ग—विकल्प (वेद, साहित्य, दर्शन, व्याकरण) उपलब्ध होंगे, जिनमें अभ्यर्थी को किसी एक वर्ग का ही चयन करना होगा।

एम.ए. द्वितीय वर्ष	चतुर्थ/ दशम	Group-A (वेद-वर्ग)						
		प्रथम	A020101T	ऋग्वेद संहिता एवं निरुक्त	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020102T	यजुर्वेद एवं प्रातिशाख्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020103T	ऋग्वेद प्रातिशाख्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020104T	वैदिक साहित्य एवं मीमांसा	लिखित	75	100 (25+75)	05
		Group-B (साहित्य-वर्ग)						
		प्रथम	A020105T	गद्य एवं काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020106T	काव्यशास्त्र	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020107T	नाट्यशास्त्र	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020108T	नाटक एवं निबन्ध	लिखित	75	100 (25+75)	05
		Group-C (दर्शन-वर्ग)						
		प्रथम	A020109T	न्याय वैशेषिक दर्शन	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020110T	सांख्य एवं योगदर्शन	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020111T	वैदिक एवं अवैदिक दर्शन	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020112T	वेदांत, मीमांसा एवं निबन्ध	लिखित	75	100 (25+75)	05
		Group-D (व्याकरण-वर्ग)						
		प्रथम	A020113T	व्याकरणशास्त्र परम्परा	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020114T	प्राचीन पाणिनीय व्याकरण	लिखित	75	100 (25+75)	05



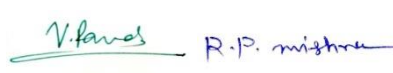
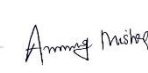
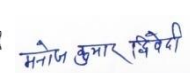
	तृतीय	A020115T	काशिका एवं प्रत्यय	लिखित	75	100 (25+75)	05
	चतुर्थ	A020116T	पणिनीय व्याकरण, सिद्धान्तकौमुदी एवं प्रमुख वैयाकरणों का परिचय	लिखित	75	100 (25+75)	05
सभी वर्ग के लिए अनिवार्य							
	पंचम	A020117R	वृहद् शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध/ डिजिटेशन	60	04

क्रेडिट विवरण :

- स्नातकोत्तर तृतीय/नवम एवं चतुर्थ/दशम सेमेस्टर में प्रदत्त (वृहद् शोध परियोजना- 4+4=8 क्रेडिट) का एक अनिवार्य प्रश्नपत्र है, जिसके लिए कुल 100 अंक निर्धारित हैं, जिसका संयुक्त मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के अन्त में, विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षक द्वारा किया जायेगा।
- एम0 ए0 द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) के चारो मुख्य पेपर 40 क्रेडिट + 8 क्रेडिट (वृहद् शोध परियोजना) = 48 क्रेडिट के होंगे।
- इस प्रकार एम0ए0 द्विवर्षीय पाठ्यक्रम का क्रेडिट विवरण-
एम0 ए0 प्रथम वर्ष- (52 क्रेडिट) + एम0 ए0 द्वितीय वर्ष- (48 क्रेडिट)
कुल (52+48) = 100 क्रेडिट का होगा।

नोट- स्नातकोत्तर सभी सेमेस्टर में (पंचम- प्रश्नपत्र) के लिए प्राध्यापकों को अपनी इच्छानुसार विषय प्रदान करने की स्वतन्त्रता होगी।

नोट- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित (संस्कृत- माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम) अन्तिम पृष्ठ पर संलग्न है।

पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची
एम0 ए0 प्रथम वर्ष

सेमेस्टर— प्रथम/सप्तम

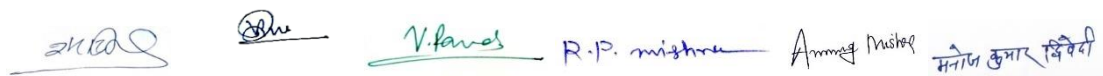
प्रथम प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
--	--	-----------------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— **वेद एवं उपनिषद् (A020701T)**

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	विश्वामित्र—नदी संवादसूक्त (3.33 ऋग्वेद) उषस् सूक्त (3.61) वरुण सूक्त (ऋग्वेद 1.25) नासदीय सूक्त (10.129 ऋग्वेद) सूर्य सूक्त (1.125 ऋग्वेद)	15
2	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय— प्रथम वल्ली	11
3	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय— द्वितीय वल्ली	14
4	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय— तृतीय वल्ली तीनों वल्लियों से समीक्षात्मक प्रश्न	20
5	तैत्तिरीयोपनिषद् : शीक्षा वल्ली	15

सहायक ग्रन्थ—

- 1— ऋक्सूक्त संग्रह : सम्पादक— रतिराम शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 2— ऋक्—सूक्त—संग्रह : सम्पादक— प्रो० देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
- 3— वेदचयनम् : सम्पादक— विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 4— कठोपनिषद् : पं० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, आनंदाश्रम पारडी, सूरत
- 5— कठोपनिषद् : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 6— तैत्तिरीयोपनिषद् : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 7— ईशादि नौ उपनिषद्, शाङ्करभाष्यार्थ सहित : गीताप्रेस, गोरखपुर



सेमेस्टर— प्रथम/सप्तम


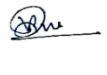



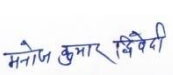
द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
------------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— व्याकरण एवं भाषा विज्ञान (A020702T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	सिद्धान्तकौमुदी— (कारक प्रकरणम्) (प्रथमा से तृतीया विभक्ति पर्यन्त)	15
2	सिद्धान्तकौमुदी— (कारक प्रकरणम्) (चतुर्थी से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त)	15
3	भाषाके चार घटक— (स्वनिम, रूपिम, पदिम, अर्थिम)	15
4	ध्वनि—परिवर्तन के कारण एवं दिशायेँ	15
5	ध्वनि—नियम— (ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, वर्नर नियम)	15

सहायक ग्रंथ—

- 1— भाषाविज्ञान : डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद
- 2— भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
- 3— संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ० भोलाशंकर व्यास, अयोध्याप्रसाद गोयलीय मंत्री भारतीय ज्ञान पीठ, दुर्गाकुण्ड रोड, वाराणसी
- 4— सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) : श्री कलानाथ झा, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 5— सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) : श्री तरिणीश झा, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

सेमेस्टर— प्रथम/सप्तम






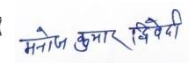
तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— भारतीय दर्शन (A020703T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	सांख्यकारिका (1-35 कारिका)	15
2	सांख्यकारिका (कारिका संख्या 36 से समाप्ति पर्यन्त)	15
3	वेदान्तसार (आदि से सविकल्पक समाधि पर्यन्त, 1-35)	15
4	वेदान्तसार (विघ्नचतुष्टय निरूपण से समाप्ति पर्यन्त 36...)	15
5	सांख्यकारिका व वेदान्तसार इन दोनों ग्रंथों से समालोचनात्मक प्रश्न एवं व्याख्या	15

सहायक ग्रंथ—

- 1— सांख्यकारिका : डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 2— सांख्य दर्शन की ऐतिहासिक परम्परा : डॉ० आद्या प्रसाद मिश्र, सत्य प्रकाशन बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद
- 3— सांख्यकारिका : सम्पादक— डॉ० रामकृष्ण आचार्य, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 4— सांख्यकारिका : पं० ज्वालाप्रसाद गौड़, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 5— सांख्यतत्वमनोरमा : डॉ० दीनानाथ पाण्डेय, मनोरमा प्रकाशन, वाराणसी
- 6— वेदान्तसार : डॉ० आद्याप्रसादमिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- 7— वेदान्तसार : डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी

सेमेस्टर— प्रथम/सप्तम




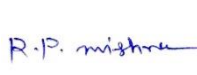

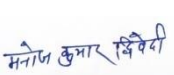
चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— काव्य एवं काव्यशास्त्र (A020704T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	मेघदूतम् (पूर्वमेघ)	20
2	काव्यप्रकाश (प्रथम उल्लास)	10
3	काव्यप्रकाश (द्वितीय उल्लास) (अभिधावृत्ति एवं षडविध लक्षणा, विशिष्ट लक्षणावाद)	10
4	काव्यप्रकाश (द्वितीय उल्लास) (व्यंजना व्यापार, अभिधामूला व्यंजना)	20
5	कालिदास के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर समालोचनात्मक प्रश्न (मेघदूत के सन्दर्भ में)	15

सहायक ग्रंथ—

- 1— मेघदूतम् : डॉ० बैद्यनाथ झा शास्त्री, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
- 2— मेघदूतम् : डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 3— मेघदूत एक अनुशीलन : श्री रंजनसुरी देव, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- 4— काव्य प्रकाश : आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, विक्रमभवन वी३०/५ ए लंका, वाराणसी
- 5— काव्य प्रकाश : श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 6— काव्य प्रकाश : डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- 7— काव्य प्रकाश : डॉ० सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 8— काव्य प्रकाश : वामन झलकीकर, परिमल पब्लिकेशन, प्राइवेट लिमिटेड

पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची
एम0 ए0 प्रथमवर्ष

सेमेस्टर- द्वितीय/अष्टम

प्रथम प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- वेद एवं उपनिषद् (A020801T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	ऋग्वेदभाष्य भूमिका	15
2	अथर्ववेद : राष्ट्राभिवर्धनम् सूक्त (1-6 मन्त्र)	10
3	शुक्लयजुर्वेद : शिवसंकल्प सूक्त (1-6 मन्त्र)	05
4	तैत्तिरीयोपनिषद् : ब्रह्मानन्द वल्ली	30
5	वेदों एवं उपनिषदों का परिचय एवं तत्सम्बन्धी समीक्षात्मक प्रश्न	15

सहायक ग्रन्थ-

- 1- ऋग्वेदभाष्य भूमिका : डॉ0 हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 2- ऋग्वेदभाष्य भूमिका : स्वामीदयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर
- 3- ऋग्वेदभाष्य भूमिका : आचार्य जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 3- शिवसंकल्पसूक्त : डॉ0 त्रिलोकीनाथ द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 4- तैत्तिरीयोपनिषद् : गीताप्रेस, गोरखपुर।
- 5- न्यूवैदिकसेलेक्शन : डॉ0 के0 एन0 एस0 तैलंग एवं बी0 बी0 चौबे, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, वाराणसी
- 6- वेदचयनम् : सम्पादक- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 7- ऋक्-सूक्त-संग्रह : सम्पादक- प्रो0 देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर



सेमेस्टर— द्वितीय/अष्टम

द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
------------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— व्याकरण (A020802T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	पातंजल महाभाष्य (पस्पशाह्निक) (व्याकरण अध्ययन के मुख्य एवं गौण प्रयोजन)	15
2	पातंजल महाभाष्य (पस्पशाह्निक) (उक्तप्रयोजनग्रन्थोपपत्तिप्रकरणम् से समाप्ति पर्यन्त)	15
3	लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास—प्रकरण) (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास)	15
4	लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास—प्रकरण) (बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व समास)	15
5	स्त्री प्रत्यय— (आबन्त को छोड़कर, सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि)	15

सहायक ग्रंथ—

- 1— व्याकरण महाभाष्य : डॉ० जयशंकरलाल त्रिपाठी, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
- 2— पातंजल महाभाष्य : आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 3— पातंजल महाभाष्य : पं० युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट बहालगढ़, सोनीपत, हरियाणा
- 4— लघुसिद्धान्तकौमुदी : आचार्य श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- 5— लघुसिद्धान्तकौमुदी : श्री महेश सिंह कुश्वाहा चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 6— लघुसिद्धान्तकौमुदी : भैमीव्याख्या, आचार्य भीमसेन शास्त्री, प्रकाशक— भीमसेन शास्त्री प्रभाकर गांधीनगर, दिल्ली








सेमेस्टर- द्वितीय / अष्टम

वर्ग- क

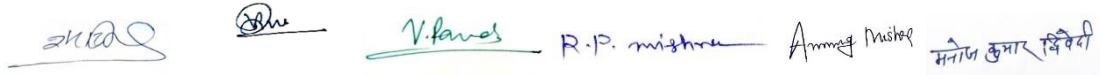
तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- भारतीय दर्शन (A020803T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	योगसूत्र व्यासभाष्य सहित (समाधिपाद, 1-30 सूत्र पर्यन्त)	15
2	तर्कभाषा (कारण निरूपण पर्यन्त)	15
3	तर्कभाषा (प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त)	15
4	तर्कभाषा (अनुमान प्रमाण पर्यन्त)	15
5	तर्कभाषा (शब्द एवं उपमान प्रमाण पर्यन्त)	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- योगसूत्र : ब्रह्मलीन मुनि, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- 2- पातंजलयोगसूत्रवृत्ति : डॉ० विमला कर्नाटक, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
- 2- पातंजल योगदर्शन : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 3- तर्कभाषा : डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 4- तर्कभाषा : डॉ० आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- 5- तर्कभाषा : श्री वदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

The image shows five handwritten signatures in blue ink, arranged horizontally. From left to right, they are: a signature that appears to be 'R.P. Mishra', a signature that appears to be 'V. K. Mishra', a signature that appears to be 'R.P. Mishra', a signature that appears to be 'Anand Mishra', and a signature that appears to be 'मनोज कुमार द्विवेदी'.

सेमेस्टर- द्वितीय / अष्टम

वर्ग- क


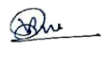
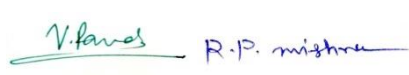

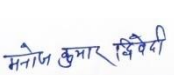
चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- काव्यशास्त्र (A020804T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत, लोचनटीका सहित)	30
2	काव्यप्रकाश (नवम् उल्लास)	15
3	काव्यप्रकाश (दशम् उल्लास) (उपमा से विशेषोक्ति अलंकार पर्यन्त)	10
4	काव्यप्रकाश (दशम् उल्लास) (यथासंख्य से अन्योन्य अलंकार पर्यन्त)	10
5	काव्यप्रकाश (दशम् उल्लास) (उत्तर अलंकार से समाप्ति पर्यन्त)	10

सहायक ग्रंथ-

- 1- ध्वन्यालोक : पं० जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 2- ध्वन्यालोक : पं० रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
- 3- ध्वन्यालोक : शिवप्रसाद द्विवेदी (श्रीधराचार्य), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 4- ध्वन्यालोक : आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, विक्रम भवन वी३०/५ ए लंका, वाराणसी
- 4- काव्य प्रकाश : आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, विक्रम भवन वी३०/५ ए लंका, वाराणसी
- 5- काव्य प्रकाश : श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 6- काव्य प्रकाश : डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- 7- काव्य प्रकाश : डॉ० सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 8- काव्य प्रकाश : वामन झलकीकर, परिमल पब्लिकेशन, प्राइवेट लिमिटेड

सेमेस्टर- द्वितीय/अष्टम

वर्ग-ख

तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश (A020805T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	पालिपाठमाला, सुंसुमारजातकम्	15
2	वानरिन्दजातकम्, उलूकजातकम्	15
3	प्राकृतप्रवेशिका, सुभाषितानि	15
4	दोला-लीला चक्रवत्परिवर्तन्ते तथा अभिशापमर्षणम्	15
5	अपभ्रंश-दोहाकोष, अपभ्रंशमुक्तसंग्रह	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- पालि-प्राकृत-अपभ्रंश संग्रह : डॉ० राम अवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्रा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 2- अपभ्रंश भाषा व साहित्य : डॉ० देवेन्द्र कुमार जैन, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
- 3- पालि-प्राकृत संग्रह : डॉ० शक्तिमान सिंह, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

The image shows several handwritten signatures in blue ink at the bottom of the page. From left to right, they appear to be: a signature that looks like 'शक्तिमान सिंह', a signature that looks like 'देवेन्द्र कुमार जैन', a signature that looks like 'राम अवध पाण्डेय', a signature that looks like 'रविनाथ मिश्रा', and a signature that looks like 'मनोज कुमार शिवेदी'.

सेमेस्टर- द्वितीय / अष्टम

वर्ग-ख





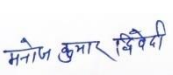
चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- पुराण एवं स्मृति (A020806T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	पौराणिक साहित्य परिचय, पुराण के लक्षण पुराणों का वर्गीकरण एवं उप-पुराण	20
2	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)	20
3	पुराण व मनुस्मृति आधारित आलोचनात्मक प्रश्न	15
4	श्रीमद्भागवत् पुराण से भ्रमरगीत	10
5	'भ्रमरगीत' से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	10

सहायक ग्रंथ-

- 1- पुराणविमर्श : आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 2- श्रीमद्भागवत् पुराण : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 3- मनुस्मृति : श्री गिरिधर गोपाल शर्मा, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
- 4- मनुस्मृति : पं० गिरिजा प्रसाद द्विवेदी, नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ

   R.P. Mishra  Anand Mishra  मनोज कुमार द्विवेदी

पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची
एम0 ए0 द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर— तृतीय/नवम

प्रथम प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— व्याकरण एवं भाषा विज्ञान (A020901T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	लघुसिद्धान्तकौमुदी : पूर्वकृदन्त (सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि)	20
2	लघुसिद्धान्तकौमुदी : उत्तरकृदन्त (सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि)	20
3	लघुसिद्धान्तकौमुदी : तद्धित प्रत्यय (आपत्यार्थ को छोड़कर, साधारण से शैषिक प्रत्यय पर्यन्त) (सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि)	20
4	भारोपीय भाषा परिवार का परिचय, विशेषताएं	5
5	भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक)	10

सहायक ग्रन्थ—

- 1— लघुसिद्धान्तकौमुदी : आचार्य श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- 2— लघुसिद्धान्तकौमुदी : श्री महेश सिंह कुश्वाहा, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 3— लघुसिद्धान्तकौमुदी : भैमीव्याख्या, आचार्य भीमसेन शास्त्री, प्रकाशक— भीमसेन शास्त्री प्रभाकर गांधीनगर, दिल्ली
- 4— भाषाविज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
- 5— भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 6— संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 भोलाशंकर व्यास, अयोध्याप्रसाद गोयलीय मंत्री भारतीय ज्ञान पीठ, दुर्गाकुण्ड रोड, वाराणसी



सेमेस्टर— तृतीय/नवम

द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
------------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— आधुनिक संस्कृत साहित्य (A020902T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र कृत : अरण्यानी से— (आगतोऽयं वसन्तः, विस्मयसप्तकम्) श्रुतिम्भरा से— (सुमधुररचना, रक्षमदीयं देशम्, वसन्तो भुवमवतरति सुखाय)	15
2	प्रो० रमाकान्त शुक्ल—कृत : भाति मे भारतम् (30 श्लोक)	15
3	प्रो० मनुलता शर्मा—कृत : किं करिष्यति, विसङ्गति	10
4	आचार्य प्रभुनाथ द्विवेदी—कृत 'श्वेतदूर्वा'	15
5	आधुनिक संस्कृत साहित्य परिचय, प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यिक विधाएं तथा अधोलिखित कवियों का संक्षिप्त परिचय— आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, आचार्य बटुकनाथ शास्त्री खिस्ते प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी, आचार्य रहस बिहारी द्विवेदी, पं० रतिनाथ झा	20

सहायक ग्रंथ—

- 1— अरण्यानी व श्रुतिम्भरा : अभिराज राजेन्द्र मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद
- 2— भाति में भारतम् : डॉ० रमाकान्त शुक्ल, देववाणी परिषद्, दिल्ली
- 3— संस्कृत—वाग्बिलासः : द्वितीयोन्मेष, सम्पादक— प्रो० विद्याशंकर त्रिपाठी व प्रो० प्रभुनाथ द्विवेदी, माया प्रकाशन, उर्मिला सदनम् जी० टी० रोड, महाराजगंज, संत रविदासनगर, भदोही
- 4— श्वेतदूर्वा : प्रो० प्रभुनाथ द्विवेदी, शारदा संस्कृत संस्थानम्, जगतगंज, वाराणसी
- 5— इक्कीसवीं शताब्दी का संस्कृत साहित्य उपलब्धियाँ, सीमाएँ और सम्भावनाएँ : राधावल्लभ त्रिपाठी एवं प्रवीण पण्ड्या, सहस्रधारा सरस्वती भारत अध्ययन संस्थान, जालोर राजस्थान
- 6— आधुनिक संस्कृत साहित्य : डॉ० रामप्रताप मिश्र एवं डॉ० आदेश कुमार मिश्र, अमन प्रकाशन कानपुर
- 7— आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन : डॉ० गिरीशचन्द्र पन्त एवं डॉ० बलराम शुक्ल एवं डॉ० चन्द्रशेखर त्रिपाठी, बी० पब्लिकेशन, चेन्नई।







**सेमेस्टर— तृतीय/नवम
वर्ग—क**

तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
--	--	-----------------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— **गद्यकाव्य (A020903T)**

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	गद्यकाव्य की उत्पत्ति एवं विकास, कथा एवं आख्यायिका प्रमुख गद्यकवियों का सामान्य परिचय— शूद्रक, वाणभट्ट, दण्डी	10
2	कादम्बरी कथामुखम् (शूद्रक वर्णन एवं चाण्डालकन्या वर्णन)	20
3	कादम्बरी कथामुखम् (शुक वर्णन एवं विन्ध्याटवी वर्णन)	15
4	हर्षचरितम् (पंचम् उच्छ्वास)	15
5	दशकुमारचरितम् (अष्टम् उच्छ्वास)	15

सहायक ग्रंथ—

- 1— कादम्बरी : चन्द्रकला, विद्योतिनी टीका सहित, पण्डित कृष्णमोहन शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 2— कादम्बरी : चन्द्रकला, टीका सहित, आचार्य शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 3— हर्षचरितम् : श्री जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 4— हर्षचरितम् : श्री मोहनदेव पंत, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
- 5— दशकुमारचरितम् : मोरेश्वर रामचन्द्र काले, शारदा क्रीडन मुद्रालय, मुम्बई
- 6— दशकुमारचरितम् : श्री ताराचरण भट्टाचार्य एवं पं० श्री केदारनाथ शर्मा, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
- 7— संस्कृत साहित्य का इतिहास : आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, 5बी, कस्तूरबा नगर, सिगरा, वाराणसी
- 8— संस्कृत साहित्य का इतिहास : डॉ० सुशील कुमार डे, अनुवादक— श्री मायाराम शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना



सेमेस्टर- तृतीय/नवम

वर्ग-क

चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- रूपक एवं चम्पू काव्य (A020904T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	नलचम्पू : प्रथम उच्छ्वास (आर्यावर्त वर्णन पर्यन्त)	11
2	मृच्छकटिकम् (1-5 अंक)	16
3	मृच्छकटिकम् (6-10 अंक)	16
4	उत्तररामचरितम् (1-3 अंक)	16
5	उत्तररामचरितम् (4-7 अंक)	16

सहायक ग्रंथ-

- 1- मृच्छकटिकम् : डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
- 2- मृच्छकटिकम् : डॉ० जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 3- उत्तररामचरितम् : वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणशीकर, निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई
- 4- उत्तररामचरितम् : तारिणीश झा, रामनरायणलाल बेनीप्रसाद प्रकाशन, इलहाबाद
- 5- नलचम्पू : श्री धारादत्त शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
- 6- नलचम्पू : पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी



सेमेस्टर— तृतीय/नवम

वर्ग—ख

तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र (A020905T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	अधोलिखित स्मृतियों का सामान्य परिचय (याज्ञवल्क्य, मनु, नारद व पराशर स्मृति)	10
2	कौटिल्य अर्थशास्त्र : (विनयाधिकरण) (1-10 अध्याय)	15
3	कौटिल्य अर्थशास्त्र : (विनयाधिकरण) (11-21 अध्याय)	15
4	याज्ञवल्क्य स्मृति : (व्यवहाराध्याय) (ऋणदान, साक्षि एवं दायविभाग प्रकरण)	20
5	मनुस्मृति पर आधारित धर्मलक्षण, वर्णव्यवस्था एवं संस्कार	15

सहायक ग्रंथ—

- 1— धर्मशास्त्र का इतिहास : डॉ० पी० वी० काणे, उ० प्र० हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- 2— धर्मशास्त्रीय विषयों का परिशीलन : श्रीधर त्रिपाठी, मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा
- 3— कौटिल्य अर्थशास्त्र : डॉ० वाचस्पति गौरोला, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 4— याज्ञवल्क्य स्मृति : डॉ० गंगासागर राय, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
- 5— याज्ञवल्क्य स्मृति : डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
- 6— भारतीय धर्म एवं दर्शन : आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी
- 7— मनुस्मृति : श्री गिरिधर गोपाल शर्मा, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
- 8— मनुस्मृति : पं० गिरिजा प्रसाद द्विवेदी, नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ



सेमेस्टर— तृतीय/नवम

वर्ग—ख

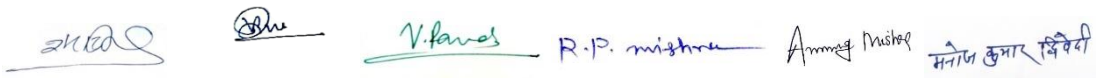
चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— लिपि एवं अभिलेख (A020906T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	लिपि एवं अभिलेखों का संक्षिप्त परिचय	10
2	गुप्त कालीन तथा अशोक कालीन ब्राह्मी लिपि	15
3	अशोक कालीन प्रमुख अभिलेख, शिलालेख एवं स्तम्भलेख	10
4	मौर्योत्तरकालीन अभिलेख, सारनाथ बौद्ध प्रतिमालेख, रुद्रदामन का गिरनार अभिलेख, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख	20
5	गुप्त एवं गुप्तोत्तर कालीन अभिलेख, समुद्रगुप्त का प्रयाग—प्रशस्ति अभिलेख पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल शिलालेख	20

सहायक ग्रंथ—

- 1— प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेख : डॉ० गोपाल यादव, कला प्रकाशन, वाराणसी
- 2— प्राचीन लिपि माला : डॉ० श्रीकृष्ण जुगनू, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
- 3— विश्व की मूललिपि ब्राह्मी : डॉ० प्रेमसागर जैन, वीरनिर्वाण ग्रन्थ प्रकाशन समिति, इन्दौर
- 4— अशोक के अभिलेख : डॉ० राजबली पाण्डेय, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
- 5— गुप्तकालीन अभिलेख : रामगोपाल कुसुमांजलि प्रकाशन, जोधपुर
- 6— भारत के प्रमुख अभिलेख : डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी



पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची
एम0 ए0 द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर— चतुर्थ/दशम

नोट— इस सत्र में अभ्यर्थियों के पास कुल चार-वर्गों के विकल्प होंगे (वेद, साहित्य, दर्शन एवं व्याकरण वर्ग) जिनमें अभ्यर्थियों को किसी एक ही वर्ग-विकल्प का चयन करना है।

(Group-A) (वेद-वर्ग) वैकल्पिक

प्रथम प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
--	--	-----------------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड— ऋग्वेदसंहिता एवं निरुक्त (A020101T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	ऋग्वेद : सवितृसूक्त 1/35, मरुत्सूक्त 1/85 अश्विनसूक्त 7/71, मित्रसूक्त 3/59	15
2	निरुक्त : प्रथम अध्याय— (प्रथम पाद)	15
3	निरुक्त : प्रथम अध्याय— (द्वितीय पाद)	15
4	निरुक्त : प्रथम अध्याय— (तृतीय पाद)	15
5	निरुक्त : प्रथम अध्याय— (चतुर्थ पाद)	15

सहायक ग्रन्थ—

- 1— ऋक्सूक्त संग्रह : सम्पादक— रतिराम शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 2— ऋक्-सूक्त-संग्रह : सम्पादक— प्रो० देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
- 3— वेदचयनम् : सम्पादक— विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 4— निरुक्त-मीमांसा : प्र० शिवनारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- 6— निरुक्त : डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 7— **Book Source:** [Digital Library of India Item 2015.342036](https://www.digitallibraryofindia.org/Item/2015.342036)

dc.contributor.author: यास्क



(Group-A) (वेद-वर्ग)


द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
------------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- यजुर्वेद एवं प्रातिशाख्य (A020102T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	शुक्ल यजुर्वेदसंहिता (प्रथम अध्याय)	15
2	शुक्ल यजुर्वेदसंहिता (द्वितीय अध्याय)	15
3	वाजसनेयि प्रातिशाख्य (प्रथम अध्याय)	15
4	वाजसनेयि प्रातिशाख्य (द्वितीय अध्याय)	15
5	वाजसनेयि प्रातिशाख्य (तृतीय अध्याय)	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- शुक्लयजुर्वेद : माध्यन्दिनसंहिता, सम्पादक- वासुदेव लक्ष्मणशास्त्री पणशीकर, निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई
- 2- शुक्लयजुर्वेद : माध्यन्दिनसंहिता, सम्पादक- याज्ञिक सम्राट पं० वेणीराम शर्मा गौड़, चौखम्भा ओरियण्टालिया प्रकाशन, वाराणसी एवं दिल्ली
- 3- वाजसनेयिप्रातिशाख्य, सम्पादक- वि० वेंकटराम शर्मा, मद्रपुरी विश्वविद्यालय, मद्रास

The image shows five handwritten signatures and names of examiners. From left to right: 1. A signature in black ink. 2. A signature in black ink. 3. The name 'V. Jais' written in green ink. 4. The name 'R.P. Mishra' written in blue ink. 5. The name 'Anand Mishra' written in blue ink. To the right of these names, there is a small white rectangular stamp with the name 'मनोज कुमार द्विवेदी' written in black ink.

(Group-A) (वेद-वर्ग)

तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- ऋग्वेद प्रातिशाख्य (A020103T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	ऋग्वेद प्रातिशाख्य : प्रथम पटल	15
2	ऋग्वेद प्रातिशाख्य : द्वितीय पटल	15
3	ऋग्वेद प्रातिशाख्य : तृतीय पटल	15
4	ऋग्वेद प्रातिशाख्य : षष्ठ पटल	15
5	ऋग्वेद प्रातिशाख्य के उपरोक्त पटलों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- ऋग्वेद प्रातिशाख्य, सम्पादक- डॉ० विरेन्द्रकुमार वर्मा, प्रकाशक- चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
- 2- ऋग्वेद प्रातिशाख्य, सम्पादक- मंगलदेव शास्त्री, प्रकाशक- इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद

 शुभ शुभ V. Pandey R.P. Mishra Anand Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

(Group-A) (वेद-वर्ग)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- वैदिक साहित्य एवं मीमांसा (A020104T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	ब्राह्मणसाहित्य पर आधारित प्रमुख याग- दर्शपूर्णमासयाग, पंचमहायज्ञ	10
2	ब्राह्मणसाहित्य पर आधारित प्रमुख आख्यान- शुनःशेष व वाङ्मनस् आख्यान	10
3	शतपथ ब्राह्मण : प्रथम अध्याय (द्वितीय ब्राह्मण पर्यन्त)	15
4	लौगाक्षिभास्कर कृत : अर्थसंग्रह (विधि निरूपण पर्यन्त)	20
5	षडवेदांग एवं निम्न उपनिषदों की विषय वस्तु व प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन- (छान्दोग्य, मुण्डक व बृहदारण्यकोपनिषद्)	20

सहायक ग्रंथ-

- 1- शतपथब्राह्मणम् सायणभाष्य सहित : भाष्यकार, सर्वविद्यानिधान कविन्द्र आचार्यसरस्वती श्रीहरिस्वामी, नागप्रकाशन, जवाहरनगर, दिल्ली
- 2- शतपथब्राह्मणम् : सम्पादन, श्रेष्ठिप्रवर श्रीगौरीशंकर गोयनका, अच्युत ग्रन्थमाला कार्यालय, काशी
- 3- अर्थसंग्रह : सम्पादन, पं० शोभितमिश्र, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
- 4- अर्थसंग्रह : सम्पादन, नारायणराम आचार्य काव्यतीर्थ एवं सत्यभामा बाई पाण्डुरंग, निर्णयसागर प्रेस मुम्बई
- 5- ईशादि नौ उपनिषद् : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 6- छान्दोग्योपनिषद् : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 7- बृहदारण्यकोपनिषद् : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 8- मुण्डकोपनिषद् : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 9- वैदिक साहित्य और संस्कृति : आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान 37 बी रविन्द्रपुरी दुर्गाकुण्ड, वाराणसी
- 10- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति : डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी



(Group-B) (साहित्य-वर्ग) वैकल्पिक

प्रथम प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- गद्य एवं काव्य (A020105T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	कादम्बरी कथामुखम् : (अगस्त्याश्रम वर्णन एवं संध्या वर्णन) (गद्यांश व्याख्या व प्रश्न)	20
2	विक्रमांकदेवचरितम् : प्रथम सर्ग (प्रारम्भिक 20 श्लोक) (श्लोक व्याख्या व प्रश्न)	10
3	नैषधीयचरितम् : प्रथम सर्ग (30 श्लोक पर्यन्त) (श्लोक व्याख्या व प्रश्न)	15
4	संस्कृत गद्य एवं महाकाव्य का उत्कर्ष काल	15
5	उपरोक्त तीनों ग्रन्थों पर समीक्षात्मक प्रश्न	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- कादम्बरी : चन्द्रकला, विद्योतिनी टीका सहित, व्याख्याकार, पण्डित कृष्णमोहन शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 2- कादम्बरी : चन्द्रकला, टीका सहित, व्याख्याकार, आचार्य शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 3- विक्रमांकदेवचरितम् : विल्हणकृत, व्याख्याकार, श्रीगजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
- 4- विक्रमांकदेवचरितम् : विल्हणकृत, व्याख्याकार, श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 5- नैषधीय चरितम् : व्याख्याकार, आचार्य सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्भा ओरियन्टलिया, वाराणसी
- 6- नैषधीय चरितम् : व्याख्याकार, डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी



(Group-B) (साहित्य-वर्ग)


द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
------------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- काव्यशास्त्र (A020106T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	काव्यप्रकाश : (तृतीय उल्लास) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
2	काव्यप्रकाश : (चतुर्थ उल्लास) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
3	काव्यप्रकाश : (सप्तम उल्लास) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
4	काव्यप्रकाश : (अष्टम उल्लास) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
5	औचित्यविचारचर्चा : (प्रारम्भ से रसौचित्य पर्यन्त) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- काव्य प्रकाश : आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, विक्रमभवन वी30/5 ए लंका, वाराणसी
- 2- काव्य प्रकाश : श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 3- काव्य प्रकाश : डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- 4- काव्य प्रकाश : डॉ० सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 5- काव्य प्रकाश : वामन झलकीकर, परिमल पब्लिकेशन, प्राइवेट लिमिटेड
- 6- औचित्यविचारचर्चा : व्याख्याकार, आचार्य श्रीव्रजमोहन झा, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

The image shows several handwritten signatures in blue ink. From left to right, they appear to be: a signature that looks like 'शुभ', a signature that looks like 'R.P. Mishra', a signature that looks like 'Ammar Mishra', and a signature that looks like 'मनोज कुमार द्विवेदी'.

(Group-B) (साहित्य-वर्ग)

तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- नाट्य शास्त्र (A020107T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	नाट्यशास्त्र : षष्ठ अध्याय (रसनिरूपण पर्यन्त, अभिनवभारती टीका सहित)	25
2	साहित्यदर्पण : षष्ठ परिच्छेद (व्याख्या एवं प्रश्न)	10
3	दशरूपक : प्रथम प्रकाश (व्याख्या एवं प्रश्न)	10
4	दशरूपक : द्वितीय प्रकाश (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
5	दशरूपक : तृतीय प्रकाश (व्याख्या एवं प्रश्न)	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- नाट्यशास्त्र : सम्पादक, प0 बटुकनाथ शर्मा एवं प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 2- नाट्यशास्त्र : सम्पादक, एम० रामकृष्णकवि, गायकवाड़ ओरियण्टल सीरीज
- 3- नाट्यशास्त्र द्वितीयो भाग : सम्पादक, डा0 पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
- 4- साहित्यदर्पण : (विमलाख्यया हिन्दीव्याख्यया विभूषित), सम्पादक, विद्यावाचस्पति-साहित्याचार्य-शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- 5- साहित्यदर्पण : व्याख्याकार, आचार्य शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
- 6- साहित्यदर्पण : व्याख्याकार, आचार्य कृष्णमोहन शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 7- दशरूपक : व्याख्याकार, बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- 8- दशरूपक : सम्पादक, डॉ० श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 9- दशरूपकम् : व्याख्याकार, डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी



(Group-B) (साहित्य-वर्ग)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- नाटक एवं निबन्ध (A020108T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	वेणीसंहारम् : (1-3 अंक) (श्लोक व्याख्या एवं प्रश्न)	15
2	वेणीसंहारम् : (4-6 अंक) (श्लोक व्याख्या एवं प्रश्न)	15
3	रत्नावली : (1-2 अंक) (श्लोक व्याख्या एवं प्रश्न)	15
4	रत्नावली : (3-4 अंक) (श्लोक व्याख्या एवं प्रश्न)	15
5	प्रमुख साहित्यिक विषयों पर आधारित निबन्ध लेखन- उपमाकालिदासस्य, भरवेरर्थगौरवम्, दण्डिनः पदलालित्यम् माघे संति त्रयोगुणाः, नैषधम् विद्वदौषधम्, कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते, बाणोच्छिष्टम् जगत्सर्वम्	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- वेणीसंहार-नाटकम् : व्याख्याकार, पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 2- वेणीसंहार-नाटकम् : व्याख्याकार, पं० रामदेव झा मैथिल एवं पं० आदित्यनारायण पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 3- रत्नावली : सम्पादक, डॉ० शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 4- रत्नावली : सम्पादक, चुन्नीलाल शुक्ल साहित्याचार्य, साहित्य भण्डार, मेरठ
- 5- रत्नावली नाटिका : सम्पादक, पं० श्री रामचन्द्र मिश्र, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
- 6- संस्कृतनिबन्धशतकम् : डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी



(Group-C) (दर्शन-वर्ग) वैकल्पिक

प्रथम प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- न्याय वैशेषिक दर्शन (A020109T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	न्याय सिद्धान्तमुक्तावली : (प्रत्यक्ष खण्ड)	15
2	न्याय सिद्धान्तमुक्तावली : (अनुमान खण्ड)	20
3	न्याय सिद्धान्तमुक्तावली : (उपमान खण्ड)	10
4	न्यायसूत्र : (प्रमाण मीमांसा)	20
5	उपरोक्त दोनों ग्रंथों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	10

सहायक ग्रंथ-

- 1- न्याय सिद्धान्तमुक्तावली : प्रत्यक्षखण्ड, व्याख्याकार, डॉ० गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 2- न्याय सिद्धान्तमुक्तावली : कारिकावली अनुमान खण्ड, व्याख्याकार, राजाराम शुक्ल, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
- 3- न्याय सिद्धान्तमुक्तावली : अनुमानोपमान खण्ड, व्याख्याकार, डॉ० महानन्द झा, श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
- 4- न्यायसूत्र : न्यायभाष्य सहित, अनुवादक, राजाराम प्रोफ़ेसर- डी० ए० वी० कॉलेज लाहौर, बाम्बे मशीन प्रेस, लाहौर, सन 1921 ई०
- 5- न्यायदर्शन : व्याख्याकार, स्वामी दर्शनानन्दजी सरस्वती, पुस्तक मन्दिर, मथुरा



(Group-C) (दर्शन-वर्ग)

द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
------------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- सांख्य-योग दर्शन (A020110T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	सांख्यतत्वकौमुदी : (कारिका 1-20) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
2	सांख्यतत्वकौमुदी : (कारिका 21-40) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
3	सांख्यतत्वकौमुदी : (कारिका 41-68) (व्याख्या एवं प्रश्न)	15
4	योगसूत्र : व्यासभाष्य सहित (समाधिपाद, सूत्र संख्या- 01 से 30 तक)	15
5	योगसूत्र : व्यासभाष्य सहित (कैवल्यपाद, सूत्र संख्या- 01 से 15 तक)	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- सांख्यतत्वकौमुदी : व्याख्याकार, प्रो० आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- 2- सांख्यतत्वकौमुदी : व्याख्याकार, पं० श्री ज्वालाप्रसाद गौड़, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 3- पातंजल योगसूत्र : व्याख्याकार, आचार्य ब्रह्मलीनमुनि, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- 4- पातंजल योगसूत्र : व्याख्याकार- वी० के० एस० आयंगर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- 5- पातंजलयोगदर्शन : व्याख्याकार- डॉ० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

The image shows five handwritten signatures of examiners in blue ink. From left to right, they are: a signature that appears to be 'R.P. Mishra', a signature that appears to be 'V. P. Mishra', a signature that appears to be 'R.P. Mishra', a signature that appears to be 'Anand Mishra', and a signature that appears to be 'मनोज कुमार खिरेदी'.

(Group-C) (दर्शन-वर्ग)

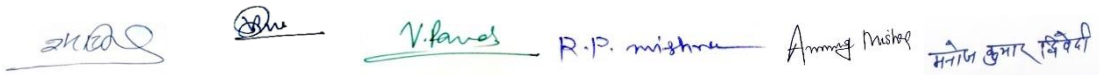
तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- वैदिक एवं अवैदिक दर्शन (A020111T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	वेदान्तपरिभाषा : (प्रत्यक्ष-परिच्छेद)	15
2	सर्वदर्शनसंग्रह आधारित : बौद्ध दर्शन	15
3	सर्वदर्शनसंग्रह आधारित : जैन दर्शन	15
4	सर्वदर्शनसंग्रह आधारित : चार्वाक दर्शन	15
5	उपरोक्त विषयों पर आधारित व्याख्या एवं प्रश्न	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- वेदान्तपरिभाषा : व्याख्याकार, श्री गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 2- वेदान्तपरिभाषा : व्याख्याकार, प्रो० पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 3- सर्वदर्शनसंग्रह : व्याख्याकार, प्रो० उमाशंकर ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 4- सर्वदर्शनसंग्रह : व्याख्याकार, श्री उदयनारायण सिंह, क्षेमराज श्रीकृष्णदास श्रेष्ठिन, मुम्बई

The image shows five handwritten signatures in black ink, likely belonging to the examiners. The signatures are written in a cursive style and are positioned below the list of reference books.

(Group-C) (दर्शन-वर्ग)

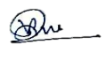
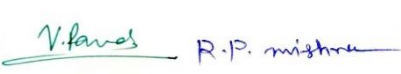

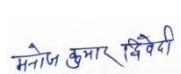
चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- वेदांत मीमांसा एवं निबन्ध (A020112T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य (अथातो ब्रह्मजिज्ञासा, जन्माद्यस्य यतः) (सूत्र व्याख्या एवं प्रश्न)	20
2	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य (शास्त्रयोनित्वात्, तत्तु समन्वयात्) (सूत्र व्याख्या एवं प्रश्न)	10
3	अर्थसंग्रह : (अर्थवाद प्रकरण)	15
4	अर्थसंग्रह : (निषेध प्रकरण)	15
5	अधोलिखित दार्शनिक विषयों पर आधारित निबन्ध लेखन सत्यकार्यवाद, परिणामवाद, सर्व खल्विदं ब्रह्म, योगः कर्मसु कौशलम् तत्त्वमसि, अहं ब्रह्मास्मि, अनुबन्ध चतुष्टय, अध्यारोपवाद	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य रत्नप्रभा टीका सहित : व्याख्याकार, पं० श्रीकृष्णपंत शास्त्री, अच्युत ग्रन्थमाला कार्यालय, काशी
- 2- चतुःसूत्री ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य श्रेयस्करी टीका सहित : व्याख्याकार, परम् पूज्य स्वामी परमानन्द भारती जी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 3- अर्थसंग्रह : व्याख्याकार, डॉ० दयाशंकर शास्त्री, विद्याभवन संस्कृत, ग्रन्थमाला
- 4- अर्थसंग्रह : व्याख्याकार, त्यागमूर्ति श्री टाटाम्बरिस्वामी, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी

(Group-D) (व्याकरण-वर्ग) वैकल्पिक

प्रथम प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- व्याकरणशास्त्र परम्परा (A020113T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	व्याकरणशास्त्र परम्परा : सामान्य परिचय	15
2	प्रमुख वैयाकरणों का सामान्य परिचय (शाकटायन, आपिशलि, पाणिनि, पतंजलि, कात्यायन)	15
3	नव्य-व्याकरण-परम्परा एवं पाणिनीय पद्धति	15
4	व्याकरणशास्त्र के मूल स्रोत एवं विकास, नागेशभट्ट पर्यन्त	15
5	व्याकरणशास्त्र के दार्शनिक सिद्धान्त व्याकरण-दर्शन की उत्पत्ति	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास : (भाग 1-3) सम्पादक, पं० युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़, जिला सोनीपत, हरियाणा
- 2- पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन : डॉ० रमाशंकर भट्टाचार्य, इण्डोलाजिकल बुक हाउस, वाराणसी
- 3- संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास : सत्यकाम वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी



(Group-D) (व्याकरण-वर्ग)

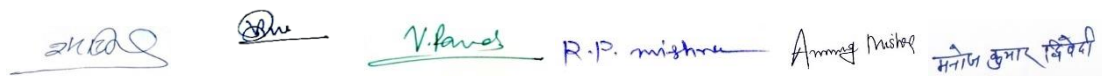
द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
------------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- प्राचीन पाणिनीय व्याकरण ((A020114T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	महाभाष्य : (द्वितीय आह्निक) (अकारस्य विवृतोपदेश आकारग्रहणार्थः से वर्णकदेशा वर्णग्रहणेन चेत्सन्ध्यक्षरे समानाक्षरविधिप्रतिषेधः तक)	15
2	महाभाष्य : (द्वितीय आह्निक) (दीर्घे ह्रस्वविधिप्रतिषेधः से वर्णज्ञानं वाग्विषयो यत्र च ब्रह्म वर्तते तदर्थमिष्टबुद्ध्यर्थं लघ्वर्थं चोपदिश्यते तक)	20
3	वाक्यपदीयम् : (प्रथम खण्ड)	10
4	वैयाकरणभूषणसार : (सुनर्थ निर्णय)	15
5	उपरोक्त तीनों ग्रन्थों पर समीक्षात्मक प्रश्न	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास : (भाग 1-3) सम्पादक, पं० युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ जिला सोनीपत, हरियाणा
- 2- महाभाष्य : व्याख्याकार, चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- 3- महाभाष्य : व्याख्याकार, पं० युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट बहालगढ़, जिला सोनीपत, हरियाणा
- 4- वाक्यपदीयम् : व्याख्याकार, श्री सूर्यनारायण शुक्ल एवं पं० रामगोविन्द शुक्ल, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 5- वाक्यपदीयम् : व्याख्याकार, डॉ० रमाकान्त उपाध्याय, मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली
- 6- वैयाकरणभूषणसार : प्रभा एवं दर्पण व्याख्या सहित, सम्पादन, पं० बालकृष्ण पंचोली एवं पं० हरिबल्लभ शास्त्री, आदर्श ग्रन्थमाला द्वितीय पुष्प
- 7- वैयाकरणभूषणसार : व्याख्याकार, डॉ० चन्द्रिका प्रसाद द्विवेदी, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली



(Group-D) (व्याकरण-वर्ग)


तृतीय प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड- काशिका एवं प्रत्यय (A020115T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	काशिका : (प्रथम अध्याय-प्रथम पाद) (वृद्धिरादैच् से स्वरादिनिपातमव्ययम् पर्यन्त)	15
2	काशिका : (प्रथम अध्याय-प्रथम पाद) (तद्धितश्चासर्वविभक्तिः से एङ् प्राचां देशे पर्यन्त)	15
3	सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार तद्धित- अपत्यार्थक प्रत्ययों का अध्ययन	15
4	सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार तद्धित- मत्वर्थीय प्रत्ययों का अध्ययन	15
5	सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार 'तिङन्त-प्रक्रिया' अन्तर्गत निम्न धातुओं का अध्ययन- एध्, अद्, अस्, हु, दिव्	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- काशिकावृत्ति : सम्पादन, नारायण मिश्र, रत्ना पब्लिकेशन, वाराणसी
- 2- काशिकावृत्ति : सम्पादन, स्वामी द्वारिकादास शास्त्री एवं पं० कालिकाप्रसाद शुक्ल, प्राच्यभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 3- सिद्धान्तकौमुदी : व्याख्याकार, डॉ० ब्रह्मानन्द शुक्ल, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 4- सिद्धान्तकौमुदी मूलमात्रम् : सम्पादक, चिरंजीवी खतिवड़ा, ॐ नमः शिवाय प्रकाशन देवघाटधाम-5 तनहूँ

The image shows five handwritten signatures in blue ink, likely belonging to the examiners. The signatures are: 1. A stylized signature starting with 'शुक्ल'. 2. A signature starting with 'R.P.'. 3. A signature starting with 'V. Anand'. 4. A signature starting with 'R.P. Mishra'. 5. A signature starting with 'Anand Mishra' and 'मनोप कुमार द्विवेदी' written below it.

(Group-D) (व्याकरण-वर्ग)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : क्रेडिट- 5	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
-----------------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड-

पाणिनीय व्याकरण, सिद्धान्तकौमुदी एवं प्रमुख वैयाकरणों का परिचय (A020116T)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	अष्टाध्यायी : अष्टम अध्याय, तृतीय पाद (सूत्र व्याख्या)	15
2	अष्टाध्यायी : अष्टम अध्याय, चतुर्थ पाद (सूत्र व्याख्या)	15
3	पाणिनीय-शिक्षा	15
4	सिद्धान्तकौमुदी : (स्त्री प्रत्यय)	15
5	अधोलिखित वैयाकरणों का सामान्य परिचय भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट, जैनेन्द्र, कैयट	15

सहायक ग्रंथ-

- 1- अष्टाध्यायी : सम्पादक, पं० युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ जिला सोनीपत, हरियाणा
- 2- अष्टाध्यायी : सम्पादक, डॉ० रमाशंकर मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
- 3- पाणिनीय शिक्षा : सम्पादन, बालकृष्णशर्मा, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन
- 4- पाणिनीय शिक्षा : व्याख्याकार, शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 5- सिद्धान्तकौमुदी : व्याख्याकार, डॉ० ब्रह्मानन्द शुक्ल, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 6- सिद्धान्तकौमुदी मूलमात्रम् : सम्पादक- चिरंजीवी खतिवड़ा, ॐ नमः शिवाय प्रकाशन देवघाट धाम
- 7- व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास : श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- 8- संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास : (भाग 1-3) सम्पादक, पं० युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ जिला सोनीपत, हरियाणा



(स्नातकोत्तर संस्कृत— माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम)

नोट— यह पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर (एम0 ए0— संस्कृत माइनर) विषय हेतु निर्धारित किया गया है। जिसका अध्ययन अभ्यर्थी स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के (प्रथम या द्वितीय) सेमेस्टर में करेंगे।

प्रश्नपत्र : क्रेडिट— 4	सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75	पूर्णांक : 100
----------------------------	---------------------------------	----------------

प्रश्नपत्र का शीर्षक एवं कोड—

संस्कृत सामान्य बोध (A020701M)

भाग	पाठ्य विषय	व्याख्यान संख्या
1	षड् वेदांगों का संक्षिप्त परिचय	15
2	सांख्यकारिका (प्रकृति—पुरुष स्वरूप एवं सत्कार्यवाद) पातंजल योगदर्शन (अष्टांग—योग)	15
3	प्रकृति एवं प्रत्यय का सामान्य बोध प्रमुख प्रत्यय— क्त, क्तवत्, तुमुन्, ण्वुल्, तव्यत्, अनीयर, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्,	15
4	काव्यप्रकाश पर आधारित निम्न अलंकारों का लक्षण—उदाहरण सहित सामान्य परिचय (उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति)	15

सहायक ग्रंथ—

- 1— वैदिक साहित्य व संस्कृति : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 2— सांख्यकारिका : व्याख्याकार, पं0 दुण्डिराजशास्त्री, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
- 3— सांख्यकारिका : डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- 4— योगदर्शन : गीताप्रेस, गोरखपुर
- 5— योगसूत्र : ब्रह्मलीन मुनि, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- 6— लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या) : आचार्य भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- 7— काव्य प्रकाश : आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, विक्रमभवन वी30/5 ए लंका, वाराणसी
- 8— काव्य प्रकाश : डॉ0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

